

मनोविज्ञान की उपयोगिताएँ

[USES OF PSYCHOLOGY]

मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है, जो प्राणी के व्यवहार का अध्ययन करता है। ऐसे विज्ञान का मानव-जीवन में अव्यक्त उपयोग होना स्वाभाविक है। मनोविज्ञान अध्ययनों और अनुसन्धानों के आधार पर ज्यों-ज्यों प्रौढ़ हो रहा है, त्यों-त्यों इसका उपयोग हमारे दैनिक जीवन में बढ़ता जा रहा है। यहाँ पर इसकी कुछ उपयोगिताएँ हैं- जो निम्नलिखित हैं:-

1. कुशल समायोजन :-

जैसा कि हम जानते हैं कि मनोविज्ञान हमारे अनुभव और व्यवहार का अध्ययन करता है। तात्पर्य यह है कि इससे हमें यह ज्ञान होता है कि किसी खास परिस्थिति में व्यक्ति किस प्रकार से अनुभव और व्यवहार करता है। इससे हम किसी के व्यवहार का अर्थ समझ पाते हैं और सम्यक् अध्ययन से व्यक्तित्व का पता लगा लेते हैं। व्यक्तित्व के विभिन्न शीलगुणों का परिचय मिल जाने पर हम उसके साथ अच्छी तरह अपना समायोजन स्थापित कर लेते हैं। इसी तरह मनोविज्ञान के ज्ञान से किसी परिस्थिति को ठीक ढंग से समझने की कुशलता भी हमारे अन्दर आ जाती है। इस कुशलता के कारण हम किसी परिस्थिति से शीघ्र अपना समायोजन स्थापित कर लेते हैं। इन दो तरह के समायोजनों के अतिरिक्त मनोविज्ञान के सहारे हम अपने अनुभवों और शक्तियों को भी जान पाते हैं। ऐसी जानकारी के आधार पर अपने व्यवहार के दोषों को दूर कर हम अपने व्यक्तित्व का सम्यक् विकास कर सकते हैं। इस तरह मनोविज्ञान के अध्ययन से हम -

(क) दूसरे व्यक्ति के साथ सफल समायोजन करते हैं,

(ख) विभिन्न परिस्थितियों में कुशल समायोजन करते हैं,
तथा

(ग) आत्म ज्ञान प्राप्त करते हैं। जो व्यक्ति अपने-आप को समझता है, दूसरों को समझता है, और परिस्थितियों को समझता है, वह निश्चय ही अपने जीवन में सफल होता है। ऐसे सफल व्यक्तियों से ही सुखी और उन्नत समाज तथा राष्ट्र का निर्माण होता है। अतः मनोविज्ञान एक ऐसा उपयोगी विज्ञान है, जो उन्नत और विकसित राष्ट्र का आधार प्रस्तुत करता है।

(2) मानसिक रोगों की चिकित्सा (Treatment of Mental disease)-

मनोविज्ञान के अध्ययन के पहले मानसिक रोगियों की चिकित्सा का कोई समुचित प्रबन्ध नहीं था। इलाज के रूप में झाड़ू-फूंक या मारपीट ही विशेष प्रचलित थी। कारण, यह समझा जाता था कि किसी पाप के प्रायश्चित्त रूप में ही कोई पागल होता है, लेकिन अब पागलों या अन्य मानसिक रोगियों को समझने का प्रयास किया जाता है। असामान्य मनोविज्ञान तथा नैदानिक मनोविज्ञान हमें यह बतलाते हैं कि किसी व्यक्ति को क्यों कोई मानसिक रोग हो जाता है, और उसे पुनः सामान्य किस प्रकार बनाया जा सकता है। इसके लिए आज तक कल मनःचिकित्सा (Psychotherapy) की कई विधियाँ प्रचलित हैं। आज बहुत संख्या में मानसिक चिकित्सालय खुल गए हैं, जहाँ मानसिक रोगियों का इलाज किया जाता है।